University of Rajasthan
Jaipur

SYLLABUS

(Three/Four Year Under Graduate Programme in Arts)

(Hindi Literature)

V & VI Semester

Examination-2025-26

As per NEP – 2020

अतिरिक्त कुलसचिव
राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर

बी.ए. – पंचम सेमेस्टर (हिन्दी साहित्य)
प्रश्नपत्र – आधुनिक काव्य

1 क्रेडिट 25 अंक
6 क्रेडिट 150 अंक
प्रश्नपत्र 120 अंक
आंतरिक मूल्यांकन 30 अंक

उद्देश्य (Objective)	1. हिन्दी की आधुनिक काव्यधारा के विकासक्रम से परिचित कराना। 2. आधुनिक काल के प्रमुख कवियों के साहित्यिक वैशिष्ट्य से अवगत कराना। 3. रचनात्मक कौशल का विकास करना।
अधिगम प्रतिफल (Learning outcome)	1. विद्यार्थी आधुनिक काल के हिन्दी कवियों के वैशिष्ट्य से परिचित होंगे। 2. विभिन्न आंदोलनों के प्रभाव में रचित कविता से परिचित हो सकेंगे। 3. काव्य–रचना में प्रयुक्त काव्यशास्त्रीय तत्त्वों से अवगत होकर सृजनात्मक लेखन की ओर अग्रसर होंगे।

प्रश्नपत्र का अंक विभाजन

यह प्रश्नपत्र तीन खंडों (अ, ब, स) में विभक्त है।
खण्ड– अ के अंतर्गत प्रश्न संख्या 1 अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न है, जिसमें संपूर्ण पाठ्यक्रम से 10 प्रश्न पूछे जायेंगे। प्रत्येक प्रश्न 2 अंक का होगा। **खण्ड– ब** के अंतर्गत प्रश्न संख्या 2,3,4,5 सप्रसंग व्याख्या का है, जिसमें इकाई 2, 3 एवं 4 में निर्धारित पाठ से कुल 04 अवतरण (एक कवि से एक) आंतरिक विकल्प सहित व्याख्या हेतु पूछे जायेंगे। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का होगा। **खण्ड– स** के अंतर्गत प्रश्न संख्या 6, 7, 8, 9 निबंधात्मक प्रश्न हैं, जिसमें प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न (निर्धारित कवियों के भावपक्ष, कलापक्ष आदि से संबंधित) आंतरिक विकल्प सहित पूछे जायेंगे। प्रत्येक प्रश्न 15 अंक का होगा।

इकाई – 1

अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध'
प्रियप्रवास – षष्ठ सर्ग, छंद 26 से 50 तक
(रो रो चिन्ता–सहित दिन को राधिका थीं बिताती .... तो सद्भावों सहित उसको ताड़ना दे भगाना।)
मैथिलीशरण गुप्त
साकेत – नवम सर्ग
वेदने तू भी भली बनी..., विरह संग अभिसार भी..., दोनों ओर प्रेम पलता हैं..., निरख सखी ये खंजन आये..., मुझे फूल मत मारो.
यशोधरा – सखि वे मुझ से कहकर जाते..., रे मन आज परीक्षा तेरी...

इकाई – 2

जयशंकर प्रसाद
कामायनी – चिन्ता सर्ग, छंद – 1 से 17 तक
(हिमगिरि के उत्तुंग शिखर पर – देख हृदय था उठा कराह)
सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'
जुही की कली, भिक्षुक, जागो फिर एक बार – 2, बादल राग – 6, स्नेह–निर्झर बह गया है

इकाई – 3

रामधारी सिंह दिनकर
रश्मिरथी – सप्तम सर्ग (चल रहा महाभारत का रण ... मैं किसी हेतु भी यह कलंक अपने पर नहीं लगा सकता।)
सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय'
नदी के द्वीप, बावरा अहेरी, कलगी बाजरे की, जो पुल बनायेंगे, साँप
गजानन माधव मुक्तिबोध
भूल गलती, जन–जन का चेहरा एक

इकाई – 4

नागार्जुन
अकाल और उसके बाद, गुलाबी चूड़ियाँ, कालिदास, उनको प्रणाम, वे और तुम
सुदामा पाण्डेय 'धूमिल'
रोटी और संसद, मोचीराम
कुंवर नारायण
अबकी बार लौटा तो, एक अजीब–सी मुश्किल, घर रहेंगे, उदासी के रंग, कोई दुख

अनुशंसित ग्रन्थ –

1. आधुनिक हिन्दी कविता का इतिहास – नंदकिशोर नवल, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली
2. आधुनिक कविता यात्रा – रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज
3. आधुनिक हिन्दी कविता – विश्वनाथ प्रसाद तिवारी, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज
4. आधुनिक हिन्दी साहित्य की प्रवृतियाँ – नामवर सिंह, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज
5. समकालीन काव्य–यात्रा – नन्दकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

अतिरिक्त कुलसचिव
विश्वविद्यालय

बी.ए. – षष्ठ सेमेस्टर (हिन्दी साहित्य)
प्रश्नपत्र – हिन्दी साहित्य का इतिहास

1 क्रेडिट 25 अंक
6 क्रेडिट 150 अंक
प्रश्नपत्र 120 अंक
आंतरिक मूल्यांकन 30 अंक

उद्देश्य (Objective)	1. हिन्दी साहित्य के इतिहास के विभिन्न कालखण्डों, परिस्थितियों एवं प्रवृत्तियों से परिचित कराना। 2. विभिन्न कालखण्डों के साहित्यिक प्रतिमानों के आलोक में प्रतिनिधि रचनाकारों के वैशिष्ट्य एवं अवदान से अवगत कराना। 3. आधुनिक काल में गद्य साहित्य के उन्मेष एवं विभिन्न विधाओं की विकास–यात्रा से परिचित कराना।
अधिगम प्रतिफल (Learning outcome)	1. हिन्दी साहित्य के इतिहास के व्यापक आयामों से अवगत होकर साहित्य में नवीन शोधदृष्टि का विकास करेंगे। 2. हिन्दी काव्य परम्परा से परिचित होकर विद्यार्थी काव्य–रचना के लिए प्रेरित होंगे। 3. हिन्दी गद्य की परम्परा से परिचित होकर गद्य–लेखन की ओर प्रवृत्त होंगे।

प्रश्नपत्र का अंक विभाजन

यह प्रश्नपत्र तीन खंडों (अ, ब, स) में विभक्त है।

खण्ड– अ के अंतर्गत प्रश्न संख्या 1 अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न है, जिसमें संपूर्ण पाठ्यक्रम से 10 प्रश्न पूछे जायेंगे। प्रत्येक प्रश्न 2 अंक का होगा।

खण्ड– ब के अंतर्गत प्रश्न संख्या 2,3,4,5 लघूत्तरात्मक प्रश्न हैं जिसमें प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न आंतरिक विकल्प सहित पूछे जायेंगे। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का होगा। (शब्द सीमा – 300)

खण्ड– स के अंतर्गत प्रश्न संख्या 6, 7, 8, 9 निबंधात्मक प्रश्न हैं, जिसमें प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न आंतरिक विकल्प सहित पूछे जायेंगे। प्रत्येक प्रश्न 15 अंक का होगा। (शब्द सीमा – 500)

इकाई – 1

हिन्दी साहित्य का इतिहास : काल विभाजन एवं नामकरण
आदिकाल – नामकरण की समस्या, परिस्थितियाँ (राजनीतिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक), आदिकालीन साहित्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ एवं वर्गीकरण – सिद्ध साहित्य, नाथ साहित्य, जैन साहित्य, रासो साहित्य, लौकिक एवं गद्य साहित्य

इकाई – 2

भक्तिकाल – परिस्थितियाँ (राजनीतिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक), भक्तिकाव्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ एवं वर्गीकरण – संतकाव्य, सूफीकाव्य, रामकाव्य एवं कृष्णकाव्य, प्रमुख रचनाकार – कबीरदास, जायसी, सूरदास, तुलसीदास, मीरा

रीतिकाल – परिस्थितियाँ (राजनीतिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक), रीतिकाव्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ एवं वर्गीकरण – रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध एवं रीतिमुक्त, प्रमुख रचनाकार – केशवदास, बिहारी, घनानन्द

इकाई – 3

आधुनिककाल (काव्य) – भारतेन्दु युग, द्विवेदी युग, छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नयी कविता, समकालीन कविता – प्रवृत्तियाँ एवं प्रमुख रचनाकार

इकाई – 4

आधुनिककाल (गद्य) – खड़ी बोली गद्य का उद्भव एवं विकास। नाटक, निबंध, कहानी, उपन्यास विधाओं का उद्भव, विकास एवं प्रमुख रचनाकार।

अनुशंसित ग्रन्थ –

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास – आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, नागरीप्रचारणी सभा, वाराणसी
2. हिन्दी साहित्य का इतिहास – संपादक : डॉ. नगेन्द्र, डॉ. हरदयाल, मयूर पेपरबैक्स, नोएडा
3. हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास – डॉ. बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
4. हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास – डॉ. रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज
5. हिन्दी साहित्य का सरल इतिहास – डॉ. विश्वनाथ त्रिपाठी, ओरियंट ब्लैकस्वॉन प्रा. लि., नई दिल्ली

कुलसचिव
विश्वविद्यालय, जयपुर

बी.ए. हिन्दी – पंचम सेमेस्टर
प्रथम प्रश्नपत्र – आधुनिक काव्य

1 क्रेडिट 25 अंक
6 क्रेडिट 150 अंक
प्रश्नपत्र 120 अंक
आंतरिक मूल्यांकन 30 अंक

उद्देश्य (Objective)	1. हिन्दी की आधुनिक काव्यधारा के विकासक्रम से परिचित कराना। 2. आधुनिक काल के प्रमुख कवियों के साहित्यिक वैशिष्ट्य से अवगत कराना। 3. रचनात्मक कौशल का विकास करना।
अधिगम प्रतिफल (Learning outcome)	1. विद्यार्थी आधुनिक काल के हिन्दी कवियों के वैशिष्ट्य से परिचित होंगे। 2. विभिन्न आंदोलनों के प्रभाव में रचित कविता से परिचित हो सकेंगे। 3. काव्य–रचना में प्रयुक्त काव्यशास्त्रीय तत्त्वों से अवगत होकर सृजनात्मक लेखन की ओर अग्रसर होंगे।

प्रश्नपत्र का अंक विभाजन

यह प्रश्नपत्र तीन खंडों (अ, ब, स) में विभक्त है।
खण्ड– अ के अंतर्गत प्रश्न संख्या 1 अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न है, जिसमें संपूर्ण पाठ्यक्रम से 10 प्रश्न पूछे जायेंगे। प्रत्येक प्रश्न 2 अंक का होगा। **खण्ड– ब** के अंतर्गत प्रश्न संख्या 2,3,4,5 सप्रसंग व्याख्या का है, जिसमें इकाई 2, 3 एवं 4 में निर्धारित पाठ से कुल 04 अवतरण (एक कवि से एक) आंतरिक विकल्प सहित व्याख्या हेतु पूछे जायेंगे। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का होगा। **खण्ड– स** के अंतर्गत प्रश्न संख्या 6, 7, 8, 9 निबंधात्मक प्रश्न हैं, जिसमें प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न (निर्धारित कवियों के भावपक्ष, कलापक्ष आदि से संबंधित) आंतरिक विकल्प सहित पूछे जायेंगे। प्रत्येक प्रश्न 15 अंक का होगा।

इकाई – 1

अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध'
प्रियप्रवास – षष्ठ सर्ग, छंद 26 से 50 तक
(रो रो चिन्ता–सहित दिन को राधिका थीं बिताती .... तो सद्भावों सहित उसको ताड़ना दे भगाना।)
मैथिलीशरण गुप्त
साकेत – नवम सर्ग
वेदने तू भी भली बनी..., विरह संग अभिसार भी..., दोनों ओर प्रेम पलता है..., निरख सखी ये खंजन आये..., मुझे फूल मत मारो.
यशोधरा – सखि वे मुझ से कहकर जाते..., रे मन आज परीक्षा तेरी...

इकाई – 2

जयशंकर प्रसाद
कामायनी – चिन्ता सर्ग, छंद – 1 से 17 तक
(हिमगिरि के उत्तुंग शिखर पर – देख हृदय था उठा कराह)
सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'
जुही की कली, भिक्षुक, जागो फिर एक बार – 2, बादल राग – 6, स्नेह–निर्झर बह गया है

इकाई – 3

रामधारी सिंह दिनकर
रश्मिरथी – सप्तम सर्ग (चल रहा महाभारत का रण ... मैं किसी हेतु भी यह कलंक अपने पर नहीं लगा सकता।)
सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय'
नदी के द्वीप, बावरा अहेरी, कलगी बाजरे की, जो पुल बनायेंगे, साँप
गजानन माधव मुक्तिबोध
भूल गलती, जन–जन का चेहरा एक

इकाई – 4

नागार्जुन
अकाल और उसके बाद, गुलाबी चूड़ियाँ, कालिदास, उनको प्रणाम, वे और तुम
सुदामा पाण्डेय 'धूमिल'
रोटी और संसद, मोचीराम
कुंवर नारायण
अबकी बार लौटा तो, एक अजीब–सी मुश्किल, घर रहेंगे, उदासी के रंग, कोई दुख

अनुशंसित ग्रन्थ –

1. आधुनिक हिन्दी कविता का इतिहास – नंदकिशोर नवल, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली
2. आधुनिक कविता यात्रा – रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज
3. आधुनिक हिन्दी कविता – विश्वनाथ प्रसाद तिवारी, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज
4. आधुनिक हिन्दी साहित्य की प्रवृतियाँ – नामवर सिंह, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज
5. समकालीन काव्य–यात्रा – नन्दकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

अतिरिक्त कुलसचिव
राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर

बी.ए. हिन्दी – पंचम सेमेस्टर
द्वितीय प्रश्नपत्र – लोक साहित्य

1 क्रेडिट 25 अंक
6 क्रेडिट 150 अंक
प्रश्नपत्र 120 अंक
आंतरिक मूल्यांकन 30 अंक

उद्देश्य (Objective)	1. लोक साहित्य और लोक संस्कृति की अवधारणा का परिचय देना। 2. लोक साहित्य के प्रमुख रूपों के स्वरूप एवं महत्त्व से अवगत कराना। 3. लोक साहित्य की समृद्ध परम्परा का बोध कराना।
अधिगम प्रतिफल (Learning outcome)	1. विद्यार्थी लोक साहित्य और लोक संस्कृति की अवधारणा से परिचित हो सकेंगे। 2. लोक साहित्य के विविध रूपों के स्वरूप एवं महत्त्व से अवगत हो सकेंगे। 3. लोक साहित्य की उर्वर एवं गौरवशाली परम्परा से परिचित हो सकेंगे।

प्रश्नपत्र का अंक विभाजन

यह प्रश्नपत्र तीन खंडों (अ, ब, स) में विभक्त है।

खण्ड– अ के अंतर्गत प्रश्न संख्या 1 अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न है, जिसमें संपूर्ण पाठ्यक्रम से 10 प्रश्न पूछे जाएँगे। प्रत्येक प्रश्न 2 अंक का होगा।

खण्ड– ब के अंतर्गत प्रश्न संख्या 2,3,4,5 लघूत्तरात्मक प्रश्न हैं जिसमें प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न आंतरिक विकल्प सहित पूछे जाएँगे। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का होगा।

खण्ड– स के अंतर्गत प्रश्न संख्या 6, 7, 8, 9 निबंधात्मक प्रश्न हैं, जिसमें प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न आंतरिक विकल्प सहित पूछे जाएँगे। प्रत्येक प्रश्न 15 अंक का होगा।

इकाई – 1

लोक साहित्य : परिभाषा, स्वरूप एवं महत्व
लोक साहित्य एवं लोक संस्कृति का अन्तःसम्बन्ध
लोक साहित्य का अन्य सामाजिक विज्ञानों से सम्बन्ध।
लोक साहित्य के प्रमुख रूपों का वर्गीकरण

इकाई – 2

लोकगीत – स्वरूप एवं वैशिष्ट्य
लोकगीत के प्रमुख प्रकार – संस्कारगीत, व्रतगीत, श्रमगीत, ऋतुगीत

इकाई – 3

लोककथा – स्वरूप एवं वर्गीकरण
लोकगाथा – स्वरूप एवं वर्गीकरण
राजस्थान से सम्बन्धित लोकगाथाएँ – बगड़ावत, पाबूजी, तेजाजी, रामदेवजी

इकाई – 4

लोकनाट्य – स्वरूप और वैशिष्ट्य
लोकनाट्य के प्रमुख प्रकार – रामलीला, रासलीला, बिदेसिया, तमाशा, खयाल, स्वांग, नौटंकी।
लोकोक्तियाँ, मुहावरे एवं पहेलियाँ – अर्थ एवं विशेषताएँ

अनुशंसित ग्रंथ –

1. लोक साहित्य विज्ञान – डॉ. सत्येन्द्र, राजस्थानी ग्रंथागार, जोधपुर
2. लोक साहित्य की भूमिका – डॉ. कृष्णदेव उपाध्याय, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज
3. लोक साहित्य के प्रतिमान – डॉ. कुंदनलाल उप्रेती, भारत प्रकाशन मंदिर, अलीगढ़
4. लोक साहित्य की रूपरेखा – डॉ. महीपाल सिंह राठौड़, राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, जयपुर
5. लोक साहित्य एवं संस्कृति – प्रो. राधेश्याम सिंह, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज

अतिरिक्त कुलसचिव
राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर

[illegible]. हिन्दी – षष्ठ सेमेस्टर
प्रथम प्रश्नपत्र – हिन्दी साहित्य का इतिहास

1 क्रेडिट 25 अंक
6 क्रेडिट 150 अंक
प्रश्नपत्र 120 अंक
आंतरिक मूल्यांकन 30 अंक

उद्देश्य (Objective)	1. हिन्दी साहित्य के इतिहास के विभिन्न कालखण्डों, परिस्थितियों एवं प्रवृत्तियों से परिचित कराना। 2. विभिन्न कालखण्डों के साहित्यिक प्रतिमानों के आलोक में प्रतिनिधि रचनाकारों के वैशिष्ट्य एवं अवदान से अवगत कराना। 3. आधुनिक काल में गद्य साहित्य के उन्मेष एवं विभिन्न विधाओं की विकास–यात्रा से परिचित कराना।
अधिगम प्रतिफल (Learning outcome)	1. हिन्दी साहित्य के इतिहास के व्यापक आयामों से अवगत होकर साहित्य में नवीन शोधदृष्टि का विकास करेंगे। 2. हिन्दी काव्य परम्परा से परिचित होकर विद्यार्थी काव्य–रचना के लिए प्रेरित होंगे। 3. हिन्दी गद्य की परम्परा से परिचित होकर गद्य–लेखन की ओर प्रवृत्त होंगे।

प्रश्नपत्र का अंक विभाजन

यह प्रश्नपत्र तीन खंडों (अ, ब, स) में विभक्त है।

खण्ड– अ के अंतर्गत प्रश्न संख्या 1 अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न है, जिसमें संपूर्ण पाठ्यक्रम से 10 प्रश्न पूछे जायेंगे। प्रत्येक प्रश्न 2 अंक का होगा।

खण्ड– ब के अंतर्गत प्रश्न संख्या 2,3,4,5 लघूत्तरात्मक प्रश्न हैं जिसमें प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न आंतरिक विकल्प सहित पूछे जायेंगे। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का होगा। (शब्द सीमा – 300)

खण्ड– स के अंतर्गत प्रश्न संख्या 6, 7, 8, 9 निबंधात्मक प्रश्न हैं, जिसमें प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न आंतरिक विकल्प सहित पूछे जायेंगे। प्रत्येक प्रश्न 15 अंक का होगा। (शब्द सीमा – 500)

इकाई – 1

हिन्दी साहित्य का इतिहास : काल विभाजन एवं नामकरण
आदिकाल – नामकरण की समस्या, परिस्थितियाँ (राजनीतिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक), आदिकालीन साहित्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ एवं वर्गीकरण – सिद्ध साहित्य, नाथ साहित्य, जैन साहित्य, रासो साहित्य, लौकिक एवं गद्य साहित्य

इकाई – 2

भक्तिकाल – परिस्थितियाँ (राजनीतिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक), भक्तिकाव्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ एवं वर्गीकरण – संतकाव्य, सूफीकाव्य, रामकाव्य एवं कृष्णकाव्य, प्रमुख रचनाकार – कबीरदास, जायसी, सूरदास, तुलसीदास, मीरा

रीतिकाल – परिस्थितियाँ (राजनीतिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक), रीतिकाव्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ एवं वर्गीकरण – रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध एवं रीतिमुक्त, प्रमुख रचनाकार – केशवदास, बिहारी, घनानन्द

इकाई – 3

आधुनिककाल (काव्य) – भारतेन्दु युग, द्विवेदी युग, छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नयी कविता, समकालीन कविता – प्रवृत्तियाँ एवं प्रमुख रचनाकार

इकाई – 4

आधुनिककाल (गद्य) – खड़ी बोली गद्य का उद्भव एवं विकास। नाटक, निबंध, कहानी, उपन्यास विधाओं का उद्भव, विकास एवं प्रमुख रचनाकार।

अनुशंसित ग्रन्थ –

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास – आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, नागरीप्रचारणी सभा, वाराणसी
2. हिन्दी साहित्य का इतिहास – संपादक : डॉ. नगेन्द्र, डॉ. हरदयाल, मयूर पेपरबैक्स, नोएडा
3. हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास – डॉ. बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
4. हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास – डॉ. रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज
5. हिन्दी साहित्य का सरल इतिहास – डॉ. विश्वनाथ त्रिपाठी, ओरियंट ब्लैकस्वॉन प्रा. लि., नई दिल्ली

अतिरिक्त कुलसचिव
राजस्थान विश्वविद्यालय

बी.ए. हिन्दी – षष्ठ सेमेस्टर
द्वितीय प्रश्नपत्र – हिन्दी निबंध

1 क्रेडिट 25 अंक
6 क्रेडिट 150 अंक
प्रश्नपत्र 120 अंक
आंतरिक मूल्यांकन. 30 अंक

उद्देश्य (Objective)	1. एक विधा के रूप में निबंध के स्वरूप एवं महत्त्व से परिचित कराना। 2. हिन्दी निबंध के उद्भव एवं विकासक्रम से अवगत कराना। 3. हिन्दी के प्रतिनिधि निबंधकारों की निबंध–कला का दिग्दर्शन कराना।
अधिगम प्रतिफल (Learning outcome)	1. विद्यार्थी निबंध के विविध प्रकारों एवं शैलियों से परिचित हो सकेंगे। 2. हिन्दी के प्रतिनिधि निबंधकारों के साहित्यिक महत्त्व से अवगत हो सकेंगे। 3. हिन्दी की जातीय चेतना के विकास में निबंध की भूमिका की पहचान कर सकेंगे।

प्रश्नपत्र का अंक विभाजन

यह प्रश्नपत्र तीन खंडों (अ, ब, स) में विभक्त है।

खण्ड– अ के अंतर्गत प्रश्न संख्या 1 अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न है, जिसमें संपूर्ण पाठ्यक्रम से 10 प्रश्न पूछे जायेंगे। प्रत्येक प्रश्न 2 अंक का होगा।

खण्ड– ब के अंतर्गत प्रश्न संख्या 2,3,4,5 सप्रसंग व्याख्या का है, जिसमें इकाई 2, 3 एवं 4 में निर्धारित पाठ से कुल 04 अवतरण (एक निबंध से एक) आंतरिक विकल्प सहित व्याख्या हेतु पूछे जायेंगे। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का होगा।

खण्ड– स के अंतर्गत प्रश्न संख्या 6, 7, 8, 9 निबंधात्मक प्रश्न हैं, जिसमें प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न (निबंध के स्वरूप–संरचना, विकासक्रम, निबंध की विषयवस्तु, भाषा–शैली एवं निबंधकार की निबंधकला आदि से संबंधित) आंतरिक विकल्प सहित पूछे जायेंगे। प्रत्येक प्रश्न 15 अंक का होगा।

इकाई – 1

निबंध की परिभाषा एवं स्वरूप
निबंध के प्रकार एवं शैलियाँ
हिन्दी निबंध का उद्भव एवं विकास

इकाई – 2

भारतवर्षोन्नति कैसे हो सकती है – भारतेन्दु हरिश्चन्द्र
साहित्य जनसमूह के हृदय का विकास है – बालकृष्ण भट्ट
उत्साह – रामचंद्र शुक्ल

इकाई – 3

शिरीष के फूल – हजारी प्रसाद द्विवेदी
तुलसी साहित्य के सामंत–विरोधी मूल्य – रामविलास शर्मा
मेरे राम का मुकुट भीग रहा है – विद्यानिवास मिश्र

इकाई – 4

गेहूँ बनाम गुलाब – रामवृक्ष बेनीपुरी
ठिठुरता हुआ गणतंत्र – हरिशंकर परसाई
मेरे लिए भारतीय होने का अर्थ – निर्मल वर्मा

अनुशंसित ग्रंथ –

1. हिन्दी निबंध और निबंधकार – डॉ. रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
2. हिन्दी निबंधकार – प्रो. जयनाथ नलिन, आत्माराम एण्ड संस, दिल्ली
3. प्रतिनिधि हिन्दी निबंधकार – विभुराम मिश्र, ज्योतीश्वर मिश्र, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज
4. प्रतिनिधि हिन्दी निबंधकार – प्रो. हरिमोहन, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली
5. समकालीन हिन्दी निबंध – कमला प्रसाद, हरियाणा साहित्य अकादमी, चण्डीगढ़

Rj | Jas
अतिरिक्त कु...
...विश्वविद्यालय, जयपुर